हिंदी विभाग

अध्यापक का नाम: प्रा. भास्कर एस. खैरनार

पाठ्यक्रम के परिणाम

कक्षा	पाठ्यक्रम शीर्षक	परिणाम
प्रथम वर्ष वाणिज्य	अतिरिक्त हिंदी (Add.Hindi)	• छात्रों को हिंदी साहित्य -गद्य एवं पद्य - और साहित्य की विविध विधाओं की रचनाएँ एवं रचनाकारों का परिचय होगा. • छात्रों में राष्ट्रीयता, सामाजिकता और नैतिकता आदि भावनाओं का विकास होगा. • छात्र व्यावहारिक हिंदी और अंग्रेजी एवं हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से वाणिज्य तथा बैंको में प्रयुक्त हिंदी शब्दों से परिचित होंगे. • पत्रलेखन, विज्ञापन लेखन और संक्षेपण आदि के माध्यम से छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शक्ति को बढ़ावा मिलेगा और वह भाषा के रचनात्मक पहलुओं परिचित होंगे. • छात्रों में सर्जनात्मक शक्ति एवं संभाषण कला का विकास होगा. • कुलमिलाकर छात्रों में राष्ट्रीय ऐक्य की स्थापना हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार होगा.
प्रथम वर्ष कला	हिंदी सामान्य-०१	• छात्रों को हिंदी साहित्य -गद्य एवं पद्य - और साहित्य की विविध विधाओं की रचनाएँ एवं रचनाकारों का परिचय होगा. • छात्रों में राष्ट्रीयता,

		सामाजिकता और नैतिकता आदि भावनाओं का विकास होगा. • छात्र व्यावहारिक हिंदी और अंग्रेजी एवं हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से बैंको आदि में प्रयुक्त कार्यालयीन हिंदी शब्दों से परिचित होंगे. • पत्रलेखन, विज्ञापन लेखन और संक्षेपण आदि के माध्यम से छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शक्ति को बढ़ावा मिलेगा और वह भाषा के रचनात्मक पहलुओं परिचित होंगे. • छात्रों में सर्जनात्मक शक्ति एवं संभाषण कला का विकास होगा. • कुलमिलाकर छात्रों में राष्ट्रीय ऐक्य की स्थापना हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार होगा.
द्वितीय वर्ष कला	हिंदी सामान्य-०२	• छात्रों को हिंदी साहित्य -गद्य एवं पद्य - और साहित्य की विविध विधाओं की रचनाएँ एवं रचनाकारों का परिचय होगा. • छात्रों में राष्ट्रीयता, सामाजिकता और नैतिकता आदि भावनाओं का विकास होगा. • छात्र व्यावहारिक हिंदी और अंग्रेजी एवं हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से बैंको आदि में प्रयुक्त कार्यालयीन हिंदी शब्दों से परिचित होंगे. • पत्रलेखन, विज्ञापन लेखन और संक्षेपण आदि के माध्यम से छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शक्ति को बढ़ावा मिलेगा और वह भाषा के

		रचनात्मक पहलुओं परिचित होंगे. • छात्रों में सर्जनात्मक शक्ति एवं संभाषण कला का विकास होगा. • कुलमिलाकर छात्रों में राष्ट्रीय ऐक्य की स्थापना हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार होगा.
तृतीय वर्ष कला	हिंदी सामान्य-०३	• छात्रों को हिंदी साहित्य की संसमरण और रेखाचित्र इन कथेत्तर विधाओं के स्वरुप का परिचय होगा. • छात्रों में मूल्यांकण करने की क्षमता का विकास होगा. • छात्रों में सभा-इतिवत्त लेखन कौशल का विकास होगा. • वार्ता-लेखन कौशल आदि के माध्यम से छात्रों में भाषा के रचनात्मक पहलुओं का निर्माण करना. • कुलमिलाकर छात्रों को हिंदी साहित्य के स्वरूप और विकास का परिचय कराना और उनमें रचनात्मक पहलुओं का निर्माण करना.